

P-ISSN: 2706-7483
E-ISSN: 2706-7491
IJGGE 2025; 7(1): 34-37
www.geojournal.net
Received: 02-11-2024
Accepted: 08-12-2024

अविनाश सैनी

शोधार्थी, भूगोल विभाग, राज
ऋषि भर्तृहरि मत्स्य
विश्वविद्यालय, अलवर,
राजस्थान, भारत

डॉ. सुमन सिंह

शोध निर्देशक, भूगोल विभाग, बी.
एस.आर. सरकारी कला
महाविद्यालय, अलवर, राजस्थान,
भारत

Corresponding Author:

अविनाश सैनी

शोधार्थी, भूगोल विभाग, राज
ऋषि भर्तृहरि मत्स्य
विश्वविद्यालय, अलवर,
राजस्थान, भारत

झुंझुनू एवं चूरु जिले के क्षेत्रीय विकास में पर्यटन की भूमिका का तुलनात्मक अध्ययन

अविनाश सैनी, सुमन सिंह

सारांश

यह शोध झुंझुनू और चूरु जिलों में ग्रामीण पर्यटन की विकास में भूमिका की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करता है। अध्ययन के लिए प्रत्येक जिले से 192 नमूने एकत्रित किए गए, जिसमें प्राथमिक सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया। सामाजिक-आर्थिक विकास के आकलन हेतु छह सामाजिक और नौ आर्थिक संकेतकों को आधार बनाया गया। विकास स्तर की गणना के लिए माध्य (Mean Score) और मानक विचलन (Standard Deviation) का उपयोग किया गया, जबकि दोनों जिलों की तुलना हेतु टी-परीक्षण (T-Test) लागू किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि दोनों जिलों में ग्रामीण पर्यटन के प्रभाव में भिन्नता पाई गई, जिसमें झुंझुनू जिले का सामाजिक और आर्थिक विकास स्तर अपेक्षाकृत अधिक रहा। शोध निष्कर्ष नीति-निर्माताओं और योजनाकारों के लिए उपयोगी हो सकते हैं, जिससे ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

कूटशब्द : सामाजिक-आर्थिक विकास, सामाजिक संकेतक, आर्थिक संकेतक, माध्य

प्रस्तावना

‘ट्यूरिज्म’ शब्द की उत्पत्ति ‘टाइरस’ शब्द से हुई है जो लेटिन भाषा के ‘टाइनस’ शब्द का अपभ्रंश है। जिसका अर्थ चक्र या पहिये के घुमाने से है। 12वीं शताब्दी के मध्य में सर्वप्रथम पर्यटन शब्द का प्रयोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने वाली यात्रा के लिए किया जाता था। पर्यटन आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रियाकलापों की सहभागिता का नाम है। यह विभिन्न स्थानों की आर्थिक गतिविधियों, सामाजिक ढाँचागत विकास, भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं वर्तमान स्थिति को परिभाषित करता है। पर्यटन को वर्तमान में एक उद्योग का दर्जा प्राप्त है जो देश, राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अर्थात् पर्यटन लोगों के आमोद-प्रमोद के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, मानसिक विकास का माध्यम भी है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO-UN World Tourism Organization) “पर्यटन में अवकाश, व्यापार एवं अन्य उद्देश्यों के लिए अधिकतम एक वर्ष तक के समय तक अपने सामान्य परिवेश से बाहर के स्थानों पर यात्रा करने एवं रहने वाले व्यक्तियों की गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है।”

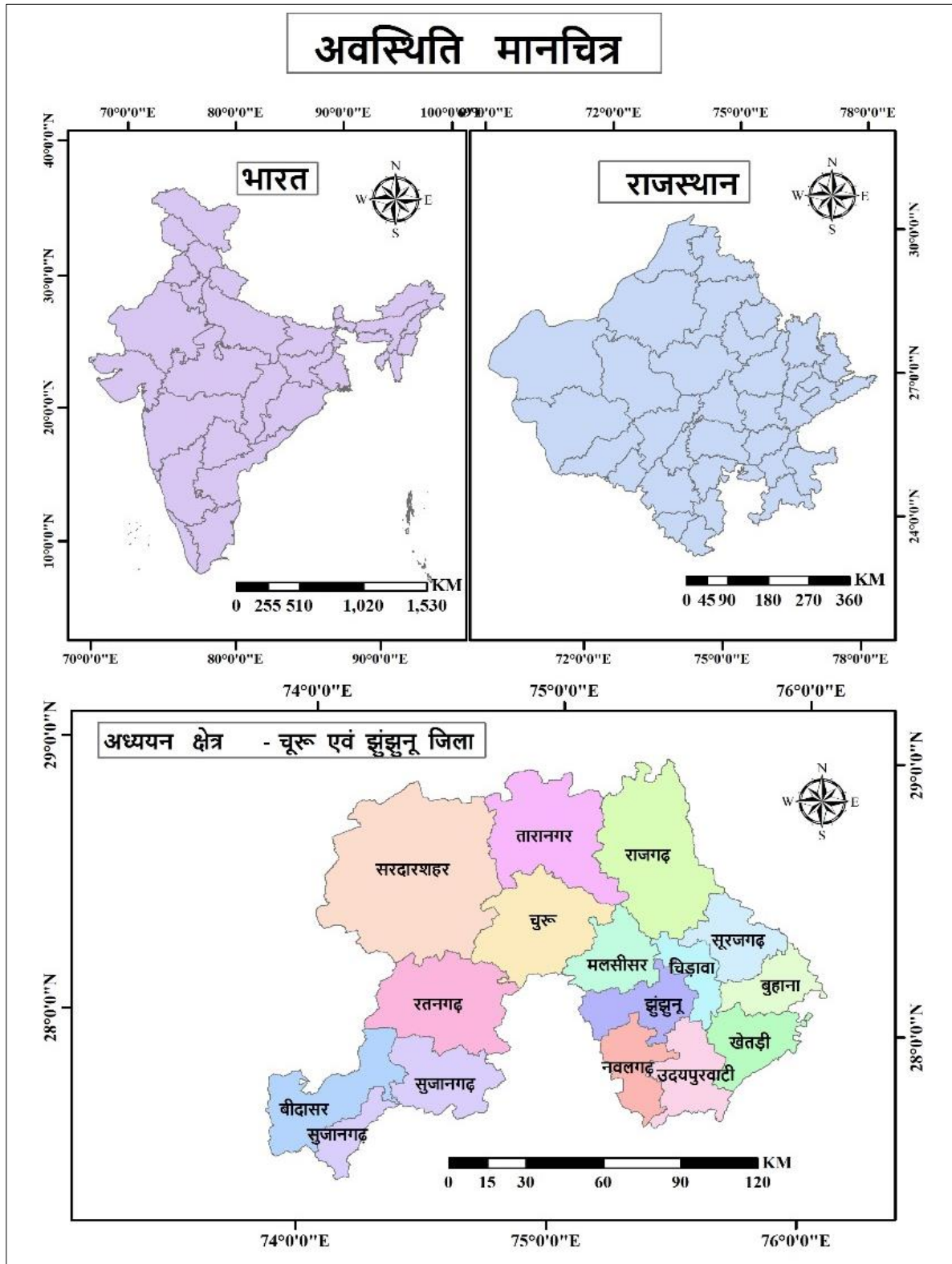
वर्तमान में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया जा रहा है तथा यह अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, वर्तमान वैश्विक स्तर पर मालदीव जैसे अनेक देशों की अर्थव्यवस्था पूर्णतः पर्यटन उद्योग पर टिकी हुई है तथा स्थानीय स्तर पर देखे तो कई शहरों की स्थापना पर्यटन केन्द्रों के कारण ही हुई है। पर्यटन को राजस्थान में 1989 में ही उद्योग का दर्जा दे दिया गया था तथा इसके विकास के लिए अलग विभाग की स्थापना की गई व केबिनेट मंत्री की नियुक्ति की जाती है।

शेखावाटी क्षेत्र के चूरु व झुंझुनू जिले पर्यटन की दृष्टि से राज्य के साथ-साथ देश में भी अपनी अलग पहचान बनाये हुए हैं। इन क्षेत्रों में राजा-महाराजाओं द्वारा बनाये गये विभिन्न किले, महल, हवेलियाँ, तालाब, बावड़ियाँ तथा इस पर की गई विभिन्न कलाकारी के साथ-साथ वहाँ की वेशभूषा, खानपान, भाषा, संगीत, साहित्य, रीति-रिवाज, हस्तकला आदि दर्शनीय है, जो कि पर्यटन को आनायास ही अपनी ओर आकर्षित कर लेती है।

अध्ययन क्षेत्र

झुन्झुनू जिला राजस्थान राज्य में $27^{\circ}38''$ से $28^{\circ}31''$ उत्तरी अक्षांश तक तथा $75^{\circ}02''$ से $76^{\circ}06''$ से $76^{\circ}06''$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। इसके उत्तर पश्चिम में चूरु जिला, दक्षिण पश्चिम में सीकर जिला तथा उत्तर पूर्व में हिसार व महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) स्थित है। इसका क्षेत्रफल 5928 वर्ग कि.मी. है जा

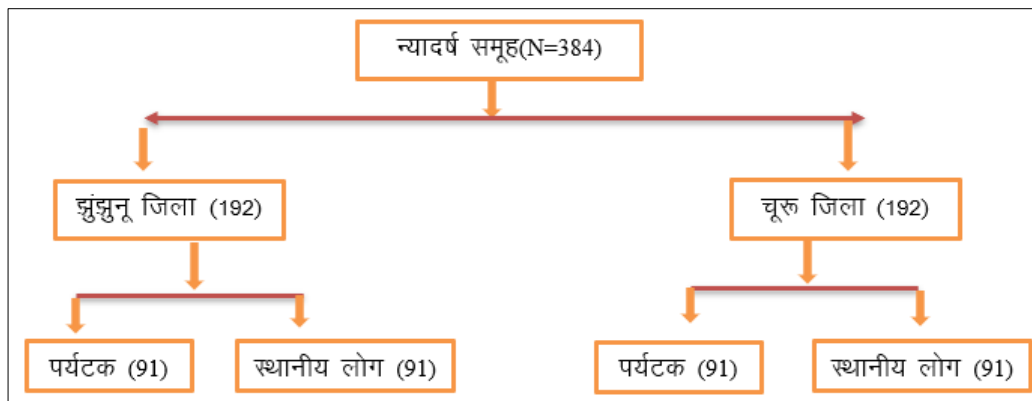
राजस्थान में 21 वें स्थान पर है तथा समुद्र तल से ऊँचाई 338 मी. है। चूरु जिला राजस्थान के उ. पू. भाग में ही झुन्झुनू जिले के साथ लगे हुए है इसका भौगोलिक विस्तार $27^{\circ}24''$ से $29^{\circ}00''$ उत्तरी अक्षांश व $73^{\circ}41''$ से $75^{\circ}41''$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। चूरु जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 13835 वर्ग कि.मी. है।

**विधि तंत्र व आंकड़ों का संकलन**

शोधकार्य के लिए एक उपयुक्त शोध विधि जरूरी होती है, उसी के माध्यम से शोधकार्य पूर्ण किया जाता है। प्रस्तुत शोध कार्य में भी शोध विधि अपनायी गई है। जिसमें

प्राथमिक व द्वितीय स्तर के आँकड़ों का उपयोग उपयुक्त तालिकाओं द्वारा किया गया है।

शोध कार्य के लिए प्राथमिक आंकड़े प्रतिदर्श विधि द्वारा, प्रत्यक्ष साक्षात्कार, क्षेत्रीय सर्वेक्षण के माध्यम से प्राप्त किये गये हैं।



प्रस्तुत शोध में संकलन हेतु प्रयुक्त साक्षात्कार अनुसूची के अंतर्गत पर्यटन स्थलों के सामाजिक तथा आर्थिक विकास से सम्बंधित प्रश्न रखे गये हैं। सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु उक्त प्रश्नों का भारांक निम्नानुसार निर्धारित किया गया—

तालिका 1: सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु भारांक

क्रमांक	विकल्प	भारांक
A	बहुत अधिक	5.00
B	अधिक	4.00
C	अनिश्चित	3.00
D	काम	2.00
E	बहुत कम	1.00

इस प्रकार प्रतिशत के आधार पर चुरु एवं झुंझुनू जिले के पर्यटन स्थलों के सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रश्नवार विश्लेषण के साथ ही मध्यमान मानक विचलन के आधार पर उसका स्तरवार एवं तुलनात्मक विश्लेषण भी संभव हो पाया।

झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों से सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रत्येक क्षेत्र का पृथक-पृथक मध्यमान ज्ञात कर उसकी तुलना सम्बंधित क्षेत्र के मध्यबिंदु मध्यमान तथा मानक विचलन के साथ करके विकास के स्तर का निर्धारण किया गया। विभिन्न सांख्यिकीय मानों के तुलनात्मक विश्लेषण द्वारा

सामाजिक-आर्थिक विकास के स्तर के निर्धारण हेतु निम्न मानक निर्धारित किये गये—

उच्च : सम्बंधित क्षेत्र में संगणित मध्यमान के मध्यबिंदु मध्यमान से अधिक होने, साथ ही इस आधिक्य के मानक विचलन से भी अधिक होने की विकास में सामाजिक-आर्थिक विकास का स्तर उच्च माना गया।

निम्न : सम्बंधित क्षेत्र में संगणित मध्यमान के मध्य बिंदु मध्यमान से कम होने, लेकिन इस न्यूनता के मानक विचलन से अधिक होने की विकास में सामाजिक-आर्थिक विकास का स्तर निम्न माना गया।

साधारण : सम्बंधित क्षेत्र में संगणित मध्यमान का मध्य बिंदु मध्यमान के साथ तुलनात्मक अंतर (आधिक्य एवं न्यूनता) मानक विचलन से कम होने की विकास में सामाजिक-आर्थिक विकास का स्तर साधारण माना गया।

झुंझुनू एवं चुरु जिले के सामाजिक आर्थिक विकास का तुलनात्मक विश्लेषण

झुंझुनू एवं चुरु जिलों के पर्यटन स्थलों से सामाजिक आर्थिक विकास के स्तर का माध्यम में मानक विचलन की सहायता से विश्लेषण करने के उपरांत टी परीक्षण के माध्यम से उक्त दोनों जिलों के पर्यटन स्थलों के द्वारा सामाजिक आर्थिक विकास का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है

तालिका 2: झुंझुनू एवं चुरु जिले के सामाजिक आर्थिक विकास की तुलना

विकास	जिले	उत्तरदाता	संगणित मध्यमान	मध्यमान अंतर	मानक विचलन	टी मान	परिणाम
सामाजिक विकास	झुंझुनू	192	22.59	0.85	2.89	2.79	अधिक
	चुरु	192	21.74		3.07		
आर्थिक विकास	झुंझुनू	192	33.7	0.55	3.67	1.46	सामान्य
	चुरु	192	33.15		3.71		
समग्र	झुंझुनू	192	56.29	1.40	6.57	2.05	अधिक
	चुरु	192	54.89		6.78		

स्रोत : क्षेत्र सर्वेक्षण

उपर्युक्त सारणी तथा आरेख से स्पष्ट होता है कि —

1. सामाजिक विकास के संछर्भ में झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों के से प्राप्त उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़ों का मध्यमान क्रम से 22.59 वह 21.74 वह मानक विचलन 2.89 एवं 3.07 प्राप्त हुए हैं। इन आंकड़ों के माध्यम से संगणित टी मान 2.79 प्राप्त हुआ है जोकि .05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित सारणी मान 1.96 ($df=382$) से अधिक है। इस तुलनात्मक आधिक्य से यह प्रमाणित होता है कि सामाजिक विकास के संछर्भ में झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों के उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़ों के मध्यमान में जो 0.85

- अंकों का अंतर जो 95 प्रतिशत विश्वास के साथ यह कहा जा सकता है कि झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों द्वारा सामाजिक विकास में झुंझुनू जिले का सामाजिक विकास चुरु जिले से तुलनात्मक रूप से अधिक हुआ है
2. आर्थिक विकास के संछर्भ में झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों के से प्राप्त उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़ों का मध्यमान क्रम से 33.70 वह 33.15 वह मानक विचलन 3.67 एवं 3.71 प्राप्त हुए हैं। इन आंकड़ों के माध्यम से संगणित टी मान 1.46 प्राप्त हुआ है जोकि .05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित सारणी मान 1.96 ($df=382$) से कम है। इस

तुलनात्मक कम मान से यह प्रमाणित होता है कि आर्थिक विकास के संछर्भ में झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों के उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़ों के मध्यमान में जो 0.55 अंकों का अंतर जो 95 प्रतिशत विश्वास पर सार्थक नहीं है अतः यह कहा जा सकता है कि झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों द्वारा आर्थिक विकास दोनों जिले में एक सामान्य हुआ है।

- 3- समग्र रूप से सामाजिक आर्थिक विकास के संछर्भ में चुरु एवं झुंझुनू जिले के पर्यटन स्थलों से प्राप्त उत्तरदाताओं के आंकड़ों का मध्यमान क्रम से 56.29 वह 54.89 एवं मानक विचलन 6.57 वह 6.78 । इन आंकड़ों के माध्यम से संगणित टी मान 2.05 प्राप्त हुआ है जोकि .05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित सारणी मान 1.96 (df=382) से अधिक है। इस तुलनात्मक आधिक्य मान से यह प्रमाणित होता है कि सामाजिक –आर्थिक विकास के संदर्भ में झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों के उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़ों के मध्यमान में जो 1.40 अंकों का अंतर जो 95 प्रतिशत विश्वास पर सार्थक है अतः यह कहा जा सकता है कि झुंझुनू एवं चुरु जिले के पर्यटन स्थलों द्वारा सामाजिक आर्थिक विकास में झुंझुनू जिले का सामाजिक-आर्थिक विकास चुरु जिले से तुलनात्मक रूप से अधिक हुआ है।

निष्कर्ष

पर्यटन न केवल एक अवकाश और मजेदार गतिविधि है। इसके बजाए, यह उद्योग भी है जो पर्यटकों को आकर्षित करता है और उनका मनोरंजन करता है। और देश के लिए आय को उत्पन्न करने में मदद करता है। पर्यटन ने हमें नई संस्कृति का पता लगाने, नए लोगों से मिलना और विभिन्न स्थानों पर मजेदार और साहसिक कार्य करने का अवसर प्रदान किया। पर्यटन एक देश में आने के लिए दुनिया भर में कई आगंतुकों को आकर्षित करता है और आमंत्रित करता है। यह एक देश की आर्थिक प्रगति में भी मदद करता है और रोजगार भी पैदा करता है। पर्यटन भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक बढ़िया तरीका है। इसलिए, हर देश को पर्यटन को जितना संभव हो सके उतना ही प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि पर्यटन हमें तलाशने और यह दुनिया की सुंदरता की खोज करने की सुविधा देता है।

संदर्भ सूची

- Anand MM. Tourism Today: An Indian Perspective. 1976.
- Badan BS, Bhatt H. Tourism Planning and Development. New Delhi: Commonwealth Publishers; c2007.
- Bassey BE. Tourists' Satisfaction with Cultural Tourism Festival: A Case Study of Calabar Carnival Festival, Nigeria. Int J Bus Manag. 2009;4(3):116-125.
- Batra KL. Problems and Prospects of Tourism. Jaipur: Printwell Publishers; c1989.
- Bhandari P. Tourism Remains Key Industries. Rajasthan Patrika.
- Domen M. The Origin and Meaning of Tourism: Etymological Study. E Rev Tour Res. 1996;5(5):100-10.
- Folly Z. Social Networks, Travel and Talk. Br J Sociol. 2007;155-175.
- Fotiadis A, Michalko G, Ratz T. Rural Milieu in the Focus of Tourism Marketing. J Tour Chall Trends. 2008;1(1):83-97.
- Hashimoto A. In Pursuit of Paradise: Tourism and Development. Harv Int Rev. 2002;24(3):43-48.
- Jems D. Tourism and Internet Adoption: A Developing World Perspective. Int J Tour Res. 2006;169-182.
- Manoj PK. Impact of Rural Tourism on the Environment and Society: Evidence from Kumbalangi in Kerala, India. Int J Adv Res Comput Sci Manag Stud. 2016;4(2).
- Moor P. Impacts of the World Recession and Economic Crisis on Tourism: North America. J Travel Res. 2007;5-15.
- Nagaraju LG, Chandrashekara B. Rural Tourism and Development in India. Int J Interdiscip Multidiscip Stud. 2014;1(6).